

भारत सरकार  
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय  
(खेल विभाग)  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 2508  
उत्तर देने की तारीख 04 अगस्त, 2025  
13 श्रावण, 1947 (शक)

**खेलों में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी**

**2508. श्रीमती पूनमबेन माडम:**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने देश भर में खेलों में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने महिला एथलीटों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं और खेल अवसंरचना तक समान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
- (घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या सरकार ने विशेष रूप से महिला एथलीटों के लिए तीन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर  
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री  
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण खेलों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाना और महिला एथलीटों के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं और खेल अवसंरचनाओं तक समान पहुँच सुनिश्चित करना सहित खेलों के विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों की है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय महिला खिलाड़ियों सहित देश में खेलों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित करता है:

- (i) खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
- (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता;
- (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार;

- (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;
- (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
- (vi) खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
- (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और
- (viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के “खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा” घटक का उप-घटक “महिलाओं के लिए खेल” देश भर में खेलों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी को बढ़ावा देता है। तदनुसार, महिलाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए 2021 में खेलो इंडिया महिला लीग शुरू की गई। इसका नाम बदलकर अस्मिता लीग कर दिया गया, जिसका अर्थ है “कार्य के माध्यम से महिलाओं को प्रेरित करके खेल में उपलब्धि हासिल करना”। इस पहल के तहत विभिन्न खेलो इंडिया महिला लीग आयोजित की जा रही हैं। अब तक, देश भर में 29 खेल विधाओं में महिला लीग आयोजित की जा चुकी हैं। महिला एथलीटों के लिए कुल 1310 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें 138875 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पहल से देश भर में खेलों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और सभी आयु वर्गों में महिला एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिले हैं।

(ड)जी हां। महिला खिलाड़ियों पर विशेष ध्यान देने के लिए, इस मंत्रालय के तत्वावधान में एक स्वायत्त निकाय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई ) ने विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों के लिए निम्नलिखित चार खेल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं:

- i) एनसीओई धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में 51 महिला एथलीट (कबड्डी और वॉलीबॉल) हैं
- ii) एसटीसी बादल (पंजाब) में 71 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, हॉकी और वॉलीबॉल) हैं
- iii) एसटीसी थालास्सेरी (केरल) में 92 महिला एथलीट (एथलेटिक्स, फेन्सिंग, जिम्नास्टिक, वॉलीबॉल और कुश्ती) हैं
- iv) एसटीसी सोलालगांव (असम) में 52 महिला एथलीट (मुक्केबाजी, फुटबॉल और भारोत्तोलन) हैं

\*\*\*\*\*